Hindi Murli Quiz 04-10-2015

Q.1) **Q. मैचिंग की इस एक्सरसाइज में उपयुक्त शब्दों के द्वारा ही रिक्त स्थान भरें ------**

	Choice		Match
A	.बापदादा के बच्चे जितने भाववान हैं, उतने -------- भी हैं।	1	भाग्यविधाता ।
B	भाग्यवान बच्चों से ----------बाप मिलने आये हैं।	2	शुद्ध संकल्प ।
C	बाप-दादा के पास सर्व बच्चों की भावना, स्नेह और सेवा का सारा ------- रहता है।	3	भाग्यवान ।
D	सतयुग की कारोवार विशेष ---------द्वारा चलेगी।	4	चार्ट ।
E	सूक्ष्मवतन की कारोबार ----------के आधार पर चलती है।	5	एटॉमिक एनर्जी ।

Q.2) **Q. "बाप के पास हर सेवास्थान और सेवाधारियों का चार्ट व नक्शा है, जिस चार्ट द्वारा हरेक स्थान और सेवाधारियों के हर समय के ------- की विधि और पुरूषार्थ की गति, दोनों ही एक स्थान पर बैठे हुए देखते रहते हैं।"**
निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ---

A. सेवा
B. पुरुषार्थ
C. कार्य
D. चलन

Q.3) **Q. आज की मुरली के आधार पर केवल सही वाक्य ही चयन / टिक करें ----**

A. सिकीलधे बच्चों को खास गुह्य राज सुनाया जाता है।
B. डबल विदेशियों में मैजॉरिटी स्नेह और शान्ति की प्राप्ति के आधार पर संशयबुद्धि कम बनते हैं।
C. बाप-दादा भावना को नहीं देखते, भाषा को देखते हैं।
D. सारे कल्प के अन्दर सूक्ष्मवतन इस समय इमर्ज होता है इसलिए सूक्ष्मवतन की रौनक भी अभी है।
E. सफलता का सहज साधन है - न्यारा और प्यारा बनना ।

Q.4) **Q. "विशेष सूक्ष्मवतन की कारोबार शुद्ध संकल्प के आधार पर चलती है। गाया हुआ है ब्रह्मा ने संकल्प किया और सृष्टि रची, तो संकल्प किया और इमर्ज हुआ। मर्ज और इमर्ज का खेल है। बाप-दादा संकल्प का स्वीच ऑन करते हैं तो सब इमर्ज हो जाता है। यहाँ तीनों लोक तक वोइसलेस की शक्ति द्वारा कनेक्शन कर सकते हैं। परन्तु बुद्धियोग बिल्कुल रिफाइन हो। सूक्ष्मवतन तक संकल्प पहुँचने के लिए महीन सर्व सम्बन्धों के सार वाली याद चाहिए। यह है सबसे पावरफुल तार, इसमें बीच में माया इन्टरफेयर नहीं कर सकती।"**

A. True
B. False

Q.5) **Q. विश्व-कल्याणकारी स्टेज की सही-सही विशेषताएं चयन करें । विश्व-कल्याणकारी अर्थात----.**

A. बेहद के सेवाधारी ।
B. सेवा के और सेवा के साधनों के लगाव से भी न्यारे ।
C. देह की स्मृति से और सम्बन्ध के लगाव से भी न्यारे ।
D. सदा हद की स्थित में रहने वाले।
E. सदा बाप के प्यारे और सदा सफल ।

Q.6) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	कोई बात अन्दर नहीं रखो, सुनादो, नहीं तो,	1	समर्थ एक सेकेण्ड में पदमों की कमाई करता है।
B	सदा स्व परिवर्तन का लक्ष्य रखो। पहले मुझे बदलना है।	2	तो सब में पहला नम्बर हो जायेंगे।
C	अपने को मोल्ड करना अर्थात् रीयल गोल्ड बनना।	3	वह बात सेवा में व स्व की उन्नति में विघ्न रूप बन जायेगी ।
D	जिन बच्चों ने जन्म से कोई कमजोरी को टच नहीं किया है,	4	वह जन्म से ही वैष्णव हुए अर्थात् सदा सेफ।
E	व्यर्थ एक सेकेण्ड में पदमों का नुकसान करता है।	5	दूसरे को मोल्ड करना अर्थात् मिक्स्ड गोल्ड बनना।

Q.7) **Q. " सूक्ष्मवतन है ही बच्चों के लिए। और कोई भी आत्मायें सूक्ष्मवतन का अनुभव कर ही नहीं सकती हैं क्योंकि ब्रह्मा और ब्राह्मणों का ही सम्बन्ध है। भक्त लोग सिर्फ कोई विशेष दृश्य का साक्षात्कार कर सकते हैं लेकिन सूक्ष्मवतन हमारा घर है, ब्रह्मा बाप का स्थान सो हमारा स्थान है। सूक्ष्मवतन के स्वेहजों का अनुभव, मिलने का अनुभव, बहलाने का अनुभव ब्राह्मण ही कर सकते हैं।"**

A. True
B. False

Q.8) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	जब त्रिकालदर्शी की स्टेज पर स्थित होते हैं,	1	जो आपसे प्यार का सागर बाप दिखाई दे।
B	सदा त्रिकालदर्शी स्थिति में स्थित रहोगे ,	2	उनका विशेष गुण है - स्व सेवा और विश्व सेवा का बैलेन्स।
C	जो अचल-अडोल बन करके श्रेष्ठ पार्ट बजाते,	3	तो व्यर्थ सहज ही खत्म हो जाता है।
D	संगमयुगी ब्राह्मण कलियुगी सृष्टि से किनारा कर चुके,	4	इसलिए उनकी ऑख पुरानी दुनिया की तरफ कभी नहीं जा सकती।
E	प्रेम से भरपूर ऐसी गंगा बनो,	5	तो सदा सफलतामूर्त होंगे।

Q.9) **Q. "लाइट हाउस का कार्य है- भटकती हुई आत्मा को सहज ही यथार्थ मंजिल दिखाना। इसके लिए विशेष दो बातें ध्यान में रखना 1.सदा परखने की शक्ति धारण करके आत्मा की चाहना को परखना। 2.अनुभवी मूर्त बनके औरों को भी सहज अनुभव कराना । शक्तियों के अनुभवी का टाइटल है मास्टर सर्वशक्तिवान, गुणों के अनुभवी का टाइटल हैं- गुणमूर्त और सर्व सम्बन्धों के अनुभवी का टाइटल है सर्व स्नेही। ऐसे आपके मस्तक से, नयनों से दिखाई दे कि यह सर्व प्राप्ति स्वरूप हैं।"**

A. True
B. False

Q.10) **Q. होलीहंस की विशेषताओं पर आधारित इस मैचिंग एक्सरसाइज में उपयुक्त शब्द से ही रिक्त स्थान भरें--.**

	Choice		Match
A	.हंस बुद्धि अर्थात् सदा हर ------ के प्रति श्रेष्ठ और शुभ सोचने वाले।	1	स्नेह ।
B	पहले हर आत्मा के भाव को परखने वाले और फिर ---- करने वाले।	2	अकल्याण ।
C	वे किसी भी आत्मा के ------ की बातें सुनते, देखते भी ------- को कल्याण की वृत्ति से बदल देंगे।	3	धारण ।
D	उनकी दृष्टि हर आत्मा के प्रति श्रेष्ठ शुद्ध -----की होगी।	4	आत्मा ।
E	सदा ---- भाव और ---- भावना रखने वाले ही होलीहंस हैं।	5	शुभ ।